भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं . 2241
07 अगस्त, 2026 को जवाब दिया

पारंपरिक हथकरघा और रेशम की बुनाई करने वाले समूहों का संवर्धन

2241 श्री देवेन्द्र प्रताप सिंहः

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) छत्तीसगढ़ में कोसा रेशम जैसे पारंपरिक हथकरघा और रेशम की बुनाई करने वाले समूहों के पुनरुद्धार और संवर्धन के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के अंतर्गत जनजातीय बुनकरों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता, आधुनिक टूलकिट और डिजाइन उन्नयन संबंधी प्रशिक्षण का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों से जोड़ने संबंधी पहलों के माध्यम से स्थानीय कारीगरों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों तक सीधी पहुंच सफलतापूर्वक उपलब्ध कराई गई है; और

(घ) राज्य के बुनकर समुदायों की घरेलू आय में कुल कितनी वृद्धि हुई है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) और (ख): छत्तीसगढ़ राज्य में कोसा सिल्क सहित पारंपरिक हथकरघा और सिल्क बुनाई क्लस्टर को पुनर्जीवित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए, वस्त्र मंत्रालय राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) नाम की दो योजनाएं कार्यान्वित कर रहा है।

इन योजनाओं के तहत, पात्र हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को कच्चा माल, उन्नत करघे और सहायक उपकरण की खरीद, सोलर लाइटिंग यूनिट, वर्कशेड के निर्माण, स्किलिंग, उत्पाद और डिज़ाइन विकास, तकनीकी और सामान्य अवसंरचना, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में हथकरघा उत्पादों की मार्केटिंग, बुनकर मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण और सामाजिक सुरक्षा आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

एनएचडीपी के तहत, वर्ष 2023-24 से 2025-26 के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य में 2121 लाभार्थियों को कवर करते हुए 17 क्लस्टरों हेतु विभिन्न इंटरवेंशन्स के लिए 460.45 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, पिछले तीन वर्षों के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य में समर्थ योजना के तहत आदिवासी बुनकरों सहित 1004 हथकरघा कामगारों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

(ग) और (घ): हथकरघा उत्पादों की ऑनलाइन मार्केटिंग, के माध्यम से हथकरघा क्षेत्र को सहायता प्रदान करने हेतु एक ई-कॉमर्स पोर्टल (https://www.indiahandmade.com) पहले ही लॉन्च किया जा चुका है। इस पोर्टल से बिचौलियों को हटाने और छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में बुनकरों की आय में वृद्धि करने में सहायता मिलती है। अब तक, इस पोर्टल पर छत्तीसगढ़ राज्य सहित पूरे देश में 4099 विक्रेताओं के 23,584 हथकरघा उत्पादों को ऑन-बोर्ड किया जा चुका है।

*****